हरिभूमि

रोहतक भूमि

रोहतक, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

तापमान

अधिकतम 24.0 डिग्री
न्यूनतम 7.0 डिग्री

11 राजकीय कन्या विद्यालय में संगोष्ठी का आयोजन

12 तीन दिवसीय मंडल स्तरीय बाल दिवस प्रतियोगिता…

सस्टेनेबिलिटी जर्नल ने बताया पराली जलाने की घटनाएं प्रदूषण के लिए कम जिम्मेदार

रोहतक शहर के गंभीर प्रदूषित दिन 7 से बढ़कर 16 हुए किसानों ने इस बार 37 प्रतिशत कम जलाई पराली

अमरजीत एस गिल ▶▶ रोहतक

किसानों ने पराली जलाने की घटनाओं में 37 प्रतिशत की कमी ला दी। फिर भी सरकारी नकारापन की वजह से प्रदूषण साल दर साल बढ़ रहा है। नवंबर 2024 की बजाय नवंबर 2025 में गंभीर प्रदूषित दिनों की संख्या में 8 दिन की बढ़ोतरी हुई है। 2024 में जहां 7 दिन तक रोहतक शहर का एक्यूआई 300 से अधिक था। वहीं नवंबर 2025 में 300 से अधिक एक्यूआई वाले दिनों की संख्या 16 हो चुकी है।

यानी के 9 दिन की बढ़ोतरी हुई है। ध्यान ये भी रहे कि नवंबर के अभी 3 दिन शेष भी हैं। पॉल्यूशन के गंभीर दिनों की संख्या न केवल रोहतक में बढ़ रही है। बल्कि दूसरे शहरों में भी हालात रोहतक से जुदा नहीं है। पिछले 10-11 वर्षों के दैनिक औसत पीएम 2.5 के स्तर का विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि सर्दियों के दौरान वायु गुणवत्ता सबसे अधिक खराब होती है। लेकिन बाकी समय भी स्थिति कुछ बेहतर नहीं है। रोहतक के लोग लगभग पूरे साल ही प्रदूषित और अस्वस्थ हवा में सांस लेते हैं। केवल मानसून के 35-40 दिन अपवाद माने जा सकते हैं।

डॉ. अरूण कुमार बोले

पर्यावरण को लेकर नियमित अध्ययन कर रही संस्था एनवायरोकैटलिस्टस नई दिल्ली के कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. अरूण कुमार का कहना कि मानसून के विदा होने पर वायु की गति काफी दिनों तक बहुत कम रहती है। हवा का तापमान धीरे-धीरे कम होता रहता है। धूल और धुएं के अति बारीक कण विभिन्न गैसों के सम्मिश्रण के साथ स्मॉग में परिवर्तित होने लगते। हर साल पॉल्यूशन का स्तर दिवाली से कुछ दिन पहले बढ़ना शुरू हो जाता है। त्योहार के बाद तो हालात सोचनीय बन जाते हैं। सरकारी मनाही के बाद भी लोग पर्व पर पटाखे फोड़ते हैं। इतना ही नहीं किसी भी खुशी के मौके पर लोग प्रतिबंधित पटाखे छोड़ते हैं।

मानसून के विदा होने पर वायु की गति काफी दिनों तक बहुत कम रहती है

वायु प्रदूषण से दुनिया भर में 78 लाख मौतें हुईं

स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर 2024 की रिपोर्ट में दावा

पीएम 2.5पार्टिकुलेट मैटर हवा में पाए जाने वाले ठोस कणों और तरल बूंदों का मिश्रण होता है। पार्टिकुलेट मैटर का आकार लगभग 2.5 माइक्रोमीटर चौड़ा होता है, जो मानव बाल की मोटाई से करीब 28 गुना पतला है। यहां देखा जा सकता है।

2.5 के बारे में जानें

लेकिन खुले में नहीं। किसी भी बंद जगह में जहां बीम लाइट पहुंचती हों, वहां नंगी आंख से ही दिखाई देता है। सस्टेनेबिलिटी जर्नल में बताया गया है कि प्रदूषण के स्रोतों और उनमें विभिन्न वजहों को समझने के लिए कई अध्ययन किए गए हैं। परिवहन, उद्योग, पावर प्लांट, सड़क की धूल और निर्माण ये पांच प्रमुख कारण हैं, जो किसी भी क्षेत्र के प्रदूषण में सबसे बड़े जिम्मेदार हैं। जर्नल में पीएम 2.5 का सबसे बड़ा स्रोत ट्रांसपोर्ट है, जिसकी हिस्सेदारी 17.9 से 39.2 प्रतिशत के बीच है। औद्योगिक सेक्टर भी प्रदूषण का एक महत्वपूर्ण कारण है। इसकी हिस्सेदारी 2.3 से 28 फीसदी के बीच है। निर्माण सेक्टर भी 2.2 से 8.4 प्रतिशत पॉल्यूशन के लिए जिम्मेदार पाया गया है। प्रदूषण के कारणों में पराली पर भले ही सबसे ज्यादा चर्चा एक दशक से की जा रही हो। लेकिन पराली जलाने की घटनाएं प्रदूषण के लिए कम जिम्मेदार।

स्वास्थ्य पर खतरनाक असर

स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, पीएम 2.5 और घरेलू स्रोतों से होने वाले वायु प्रदूषण के कारण दुनिया भर में 7.8 मिलियन (78 लाख) मौतें हुईं। ये सूक्ष्म कण कई बीमारियों से जुड़े हैं, जैसे फेफड़ों का कैंसर, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिज़ीज़ (सीओपीडी), स्ट्रोक, टाइप 2 डायबिटीज, और न्यूमोनिया हो सकता है। पीएम 2.5 कण इतने सूक्ष्म होते हैं कि ये फेफड़ों के अंदर गहराई तक पहुंच सकते हैं, अल्वियोलर वाल्स को नुकसान पहुंचाते हैं और फेफड़ों के फंक्शन को कम कर देते हैं। एक बार कण ब्लडस्ट्रीम में प्रवेश कर जाए, तो ये ब्लड प्रेशर बढ़ा सकते हैं या ऐसे क्लॉट बन सकते हैं जो हृदय और मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को रोक दें, और समय के साथ स्ट्रोक का कारण बन सकते हैं। पीएम 2.5 के संपर्क से मस्तिष्क के एक तरह से बूढ़ा होने की प्रक्रिया तेज हो सकती है और इसके सफेद तंतु (व्हाइट मैटर) को नुकसान पहुंच सकता है।

एक्यूआई

नवंबर 2025		नवंबर 2024
1	389	268
2	उपलब्ध नहीं	182
3	उपलब्ध नहीं	260
4	329	266
5	244	193
6	348	263
7	उपलब्ध नहीं	225
8	374	259
9	323	229
10	324	209
11	342	226
12	406	225
13	430	303
14	307	192
15	102	326
16	246	339
17	237	301
18	309	304
19	353	281
20	274	315
21	288	321
22	305	265
23	उपलब्ध नहीं	269
24	147	161
25	326	264
26	325	142
27	333	213

खबर संक्षेप

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और शिक्षा मंत्री महम में आज

महम। शुक्रवार 28 नवंबर को मार्केट कमेटी महम के नवनियुक्त चेयरमैन और वाइस चेयरमैन का पदभार ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली और शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री के ओएसडी वीएस बड़खालसा भी शिरकत करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीजेपी के पूर्व प्रत्याशी दीपक हुड्डा करेंगे। समारोह दोपहर एक बजे नई अनाज मंडी में होगा। इस दौरान कैप्टन ईश्वर सिंह को चेयरमैन और लीलू राम को वाइस चेयरमैन पद की शपथ दिलाई जाएगी।

2 को कुरुक्षेत्र में होगा भारत केसरी दंगल

रोहतक। अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने बताया कि खेल विभाग द्वारा 2 दिसंबर को कुरूक्षेत्र में भारत कुमार व कुमारी तथा भारत केसरी दंगल का आयोजन करवाया जायेगा। इसके लिए जिला के खिलाड़ियों के चयन के लिए 29 नवंबर को सुबह 8 बजे स्थानीय सर छोटूराम स्टेडियम में वेट कैटेगरी में चयन ट्रायल होंगे।

दिव्यांगजनों को वितरित किए सहायक उपकरण

रोहतक। जिला रेडक्रॉस समिति द्वारा इस्माइला गांव के सरकारी स्कूल में वीरवार को वरिष्ठ नागरिक जन और दिव्यांगजन के लिए उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सांपला उपमंडलाधीश उत्सव आनंद ने बतौर मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उपमंडलाधीश उत्सव आनंद ने कहा कि उपमंडल स्तर पर इस प्रकार की पहल जिला प्रशासन द्वारा किया जाना एक बड़ी बात है। मौके पर 54 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजन को 200 से अधिक विभिन्न प्रकार के उपकरण वितरित किए गए।

हार्दिक की मौत से परिवार सदमें में, पिता-बोले शिकायत के बाद भी ठीक नहीं किया स्टेडियम

लाखन माजरा में मृतक खिलाड़ी हार्दिक राठी के घर शोक जताने पहुंचे खेल मंत्री गौरव गौतम, पंजाब सीएम भगवंत मान और इनेलो सुप्रीमो अभय चौटाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक/ महम

बास्केट बॉल के होनहार खिलाड़ी हार्दिक की मौत से पूरे खेल जगत और लाखनमाजरा में मातम पसरा हुआ है। हर कोई इसके लिए खेल विभाग के अधिकारियों को जिम्मेदार ठहरा रहा है। हार्दिक के पिता का कहना है कि अब मंत्री और अफसर चक्कर लगा रहे हैं। इसके पहले किसी ने सुध नहीं ली। अगर स्टेडियम की मरम्मत हो जाती तो उनके बेटे को यू असमय नहीं जाना पड़ता। हार्दिक के कोच ने भी घटना के लिए खेल विभाग को जिम्मेदार ठहराया। हार्दिक मंगलवार को खेलने के लिए स्टेडियम गया था, जहां उस पर बास्केट बॉल का पोल गिरने से उसकी मौत हो गई थी। वीरवार को प्रदेश के खेल मंत्री गौरव गौतम लाखन माजरा गांव पहुंचे। यहां उन्होंने मृतक खिलाड़ी हार्दिक राठी के घर पहुंचकर किशोर की असामयिक मौत पर शोक जताया। साथ ही उन्होंने अफसोस भी जताया और कहा कि यह बहुत ही दुखद घटना घटी है और इसका राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। देश ने एक ऐसा हीरा खोया है, जो पूरे देश का नाम रोशन कर सकता था। लेकिन आज वह हमारे बीच नहीं है। गौरव गौतम ने कहा कि हादसे का शिकार हुए हार्दिक राठी के परिवार का दुख बांटने के लिए सरकार व सीएम नायब सैनी हर समय तैयार खड़े हैं। परिवार से बात हुई है, जो भी परिवार मदद चाहता है, उन्हें सरकार की तरफ से दी जाएगी। हार्दिक की याद में कुछ चीजें बनानी हो तो उसके लिए भी बात हुई है।

राजीव गांधी स्टेडियम में होगी 18 करोड़ से मरम्मत

गौतम ने कहा कि जहां भी खिलाड़ी खेलेगा, उसकी जिम्मेदारी खेल विभाग की है। खिलाड़ियों को सुरक्षित माहौल देना व सुरक्षित रखना सरकार की जिम्मेदारी है। राजीव गांधी खेल स्टेडियम पंचायत विभाग के पास है और स्टेडियम का 18 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तावित है, जिस पर काम चल रहा है।

महम। लाखन माजरा गांव में हार्दिक राठी के घर शोक जताने पहुंचे खेल मंत्री गौरव गौतम।

दोषी को नहीं बख्शेंगे : गौरव

मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों को सस्पेंड किया गया है। इस हादसे की जांच भी की जाएगी और जो भी दोषी होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। सरकार ने खेल मैदानों की मरम्मत के लिए 150 करोड़ रुपया पीडब्ल्यूडी काक अब तक दिया है। पिछले 10 साल में 600 करोड़ रुपया खेल मैदानों की मरम्मत में लगाया है। प्रदेश के हर स्टेडियम की रिपोर्ट ली जा रही है।

खिलाड़ी की हुई मौत के लिए सरकारी सिस्टम जिम्मेदार: चौटाला

रोहतक। इनलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने कहा कि इनेलो की बढ़ती लोकप्रियता से प्रदेश के प्रमुख राजनीतिक दल घबरा गए है और इसी के चलते उनके खिलाफ राजनीतिक षडयंत्र रचे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को अब उसी भाषा में जबाव दिया जाएगा और इसके लिए लीगल नोटिस भी भेजे जाएंगे। इनेलो सुप्रीमों अभय सिंह चौटाला वीरवार को रोहतक पहुंचे और विभिन्न कार्यक्रमों में शिरक्त की। इससे पहले वह लाखनमाजरा में राष्ट्रीय बॉस्केटबाल खिलाड़ी हार्दिक राठी के परिजनों से मिले और शोकुल परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की। पत्रकारों से बातचीत करते हुए इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा लाखनमाजरा में स्टेडियम बनाने को लेकर भी प्रतिक्रिया दी और कहा कि पहले भगवंत मान हरियाणा को उसके हिस्से का पानी देने का काम करे, उसके बाद स्टेडियम बनाने की सोचे। साथ ही उन्होंने कहा कि जो भी नेता पंजाब से हरियाणा में आए उनके लोगों को सवाल करना चाहिए की हरियाणा को उसके हिस्से का पानी क्यों नहीं दिया जा रहा है। लाखनमाजरा में खेल स्टेडियम में प्रैक्टिस के दौरान बास्केटबॉल पोल गिरने से हुई राष्ट्रीय खिलाडी हार्दिक राठी की मौत को लेकर कहा कि यह दुखद घटना है। इस अवसर पर उमेद सिंह लोहान, डॉ. नफे सिंह लाहली, राकेश सहगल, सतीश नांदल रिठाल, इन्द्र सिंह दुल, कृष्ण कौशिक एडवोकेट, विनोद अहलावत मौजूद रहे।

■ इनेलो सुप्रीमो बोले, पंजाब से जब भी कोई नेता हरियाणा आए तो उससे पूछा क्यों नहीं दे रहे हरियाणा के हिस्से का पानी

हार्दिक राठी के परिवार से मिलकर पंजाब के सीएम भगवंत मान बोले

शिकायतें पड़ी रहीं, सरकार सोती रही और बच्चा मर गया

■ ऐसे हादसों को रोकने के लिए भारतीय खेल मंत्रालय सभी राज्यों से खेल मैदानों की वर्तमान स्थिति की रिपोर्ट मांगे

पंजाब के सीएम भगवंत सिंह लाखनमाजरा पहुंचे, जहां उन्होंने 16 वर्षीय राष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी हार्दिक राठी के परिवार से मुलाकात कर दुख साझा किया। मान ने इस घटना को मात्र एक हादसा नहीं, बल्कि हरियाणा की बदहाल खेल व्यवस्था का परिणाम बताया, जिसने एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी का भविष्य और जीवन दोनों छीन लिया। यह घटना केवल एक परिवार का दर्द नहीं, बल्कि पूरे खेल जगत का शोक है। ग्रामीणों ने कई बार मैदान की जर्जर स्थिति की शिकायतें कीं, फंड भी जारी हुए, लेकिन न तो पोल बदला गया, न मरम्मत हुई, और अब एक घर हमेशा के लिए उजड़ गया। प्रदेश सरकार को इस लापरवाही की जिम्मेदारी लेनी चाहिए, क्योंकि यह चूक नहीं, अपराध है। मान ने बहादुरगढ़ में इसी प्रकार पोल गिरने से 15 वर्षीय खिलाड़ी अमन कुमार की हाल ही में हुई मौत का भी उल्लेख किया। जब दो-दो युवा खिलाड़ी अभ्यास के मैदानों में मर रहे हों तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि खेल नीतियों पर चल रहा ढोल कितना खोखला है। मान ने कहा कि पंजाब में खेल सुविधाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए 1194 करोड़ की लागत से 3100 से अधिक अत्याधुनिक स्टेडियमों का निर्माण चल रहा है। इस दौरे के दौरान आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा और हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता भी मौजूद रहे।

■ मान ने स्टेडियम का दौरा कर पोल का निरीक्षण किया

सरकारी अस्पतालों में दो घंटे पेन डाउन हड़ताल

रोहतक। जिले के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर ने बृहस्पतिवार को अपनी मांगों के समर्थन में सुबह 9 से 11 तक ओपीडी सेवाएं बंद रखते हुए पेन डाउन हड़ताल की। हड़ताल की वजह मरीजों को उपचार करवाने के लिए इंतजार करना पड़ा। हड़ताल का असर, रोहतक जिला अस्पताल, महम, कलानौर सहित छह सीएचसी और 17 पीएचसी में देखने को मिला। एचसीएमएसए के जिला अध्यक्ष डॉक्टर विश्वजीत सिंह ने बताया आपातकालीन प्रसव कक्ष और ऑपरेशन को छोड़ सभी ओपीडी सेवाएं स्थगित की गई। उन्होंने बताया कि केवल दो घंटे तक डॉक्टर ओपीडी में कार्य नही किया। उन्होंने बताया सरकार को कई बार मांगों से सम्बंधित ज्ञापन दिया जा चुका है। तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज की रोक के बावजूद अब सरकार सीएमओ की सीधी भर्ती करने की योजना पर काम कर रही है। इसके अलावा वेतन से सम्बंधित मांगें मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा पूरी की गई थी, जिन्हें अभी तक लागू नहीं किया गया है।

मायना में विकसित हो रही अवैध कॉलोनी तोड़ी

रोहतक। अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा रोहतक नियंत्रित एवं शहरी क्षेत्र में अवैध रूप से किये जा रहे निर्माणों/कालोनियों को गिराने का निरंतर अभियान जारी है। इस अभियान के तहत जिला के गांव मायना में लगभग साढे सात एकड़ भूमि में विकसित की जा रही एक अवैध कॉलोनी को तोड़ा गया। इस अभियान के दौरान कच्चा व पक्का रोड़ नेटवर्क, सीवरेज सिस्टम एवं दो अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया गया। नरेंद्र कुमार ने कहा कि जिला में अवैध निर्माण अथवा अवैध कॉलोनियों को नहीं पनपनें दिया जाएगा तथा यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। इस तोड़-फोड़ अभियान में जिला नगर योजनाकार कार्यालय के अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद रहे तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने व किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तोड़ फोड़ अमले के साथ मौजूद रहा। अतिरिक्त उपायुक्त ने नागरिकों का आह्वान किया कि वे अपने जीवन की कमाई को अवैध निर्माण या कॉलोनी में निवेश न करें। जिला नगर योजनाकार सुमनदीप ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने जीवन की पूंजी अवैध निर्माणों या डीलर/भू-मालिकों द्वारा काटी जा रही अवैध कालोनियों में निवेश न करें। नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे निवेश करने से पहले सेक्टर-1 स्थित उनके कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में आकर पूछताछ कर सकते है।

चार को अवैध हथियार सहित किया गिरफ्तार, दो देसी पिस्तौल बरामद

रोहतक। पुलिस ने गश्त के दौरान चार युवकों को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से दो देसी पिस्तौल और कुल 6 राउंड बरामद किए गए हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। पुरानी सब्जी मंडी थाना प्रभारी सुशील कुमार ने बताया कि मुख्य सिपाही राजेश के नेतृत्व में पुलिस चौकी सुखपुरा की टीम गोहाना गोल चक्कर के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान मिली सूचना के आधार पर आउटर बाईपास सन सिटी हाइट्स के पास कच्चे रास्ते पर बैठे दो युवकों को काबू किया गया। उनकी पहचान राहुल पुत्र बलवान निवासी हाट (जींद) और सचिन पुत्र बलवंत निवासी कोसली (रेवाड़ी) के रूप में हुई। तलाशी में राहुल से एक देसी पिस्तौल और एक राउंड तथा सचिन से दो राउंड बरामद हुए। इनके खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच में यह भी सामने आया कि दोनों का आपराधिक रिकॉर्ड है। राहुल के खिलाफ गोहाना में अवैध हथियार और सफीदों में अवैध शराब तस्करी का मामला दर्ज है। मुख्य सिपाही प्रवीण के नेतृत्व में दूसरी पुलिस टीम ने लाढ़ौत आउटर बाईपास के पास दो युवकों- योगेश उर्फ लम्बू पुत्र राहुल निवासी नेहरू कॉलोनी रोहतक और सहवाग पुत्र महिपाल निवासी पांची (सोनीपत) को शक के आधार पर रोका। तलाशी में योगेश से एक देसी पिस्तौल व एक राउंड तथा सहवाग से दो राउंड बरामद हुए।

अब अवध-असम एक्सप्रेस भी सप्ताह में एक दिन नहीं चलेगी

रोहतक। धुंध के मौसम की आशंका को देखते हुए रेल विभाग ने 1 दिसंबर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक जींद-दिल्ली रेलमार्ग पर दो महत्वपूर्ण सवारी गाड़ियों को रद्द करने का फैसला लिया है। जबकि इलाके में अभी तक कोहरा शुरू भी नहीं हुआ है, इसके बावजूद रेलवे ने समय से पहले ही यात्रियों की सुविधा पर रोक लगा दी है। रद्द की गई गाड़ियों में गाड़ी नंबर 54031 (दिल्ली-जींद सवारी गाड़ी) शामिल है, जो दिल्ली से 11:40 बजे चलकर बहादुरगढ़ 12:46 और रोहतक 1:44 पर पहुंचती थी। इसी तरह 54034 (जींद-दिल्ली सवारी गाड़ी), जो जींद से 3:50 बजे रवाना होकर रोहतक 4:56 और बहादुरगढ़ 5:55 पर पहुंचती थी, उसे भी 28 फरवरी 2026 तक बंद कर दिया गया है। इसके अलावा लंबी दूरी की अवध-असम एक्सप्रेस (15909/15910) को भी सप्ताह में एक दिन रद्द करने का निर्णय लिया गया है, जो मार्च 2026 तक जारी रहेगा। दिल्ली-रोहतक दैनिक रेल यात्री समिति ने इस निर्णय पर विरोध जताते हुए कहा कि इस रूट पर पहले से ही सवारी गाड़ियां कम हैं, ऐसे में और गाड़ियां रद्द न की जाएं। समिति ने 54424 हिसार-नई दिल्ली सवारी गाड़ी में कम से कम आठ डिब्बे बढ़ाने की मांग की है, ताकि सुबह दिल्ली जाने वाले यात्रियों को राहत मिल सके।

■ धुंध की आशंका को देखते हुए रेल विभाग का फैसला

कार्रवाई खेतों में पराली व अन्य अवशेष जलाने वालों के खिलाफ सख्ती

कृषि विभाग ने खेत में आग जलाने वाले किसान पर ठोका 5 हजार रुपये जुर्माना

आग लगाने के बाद यदि खेत की जुताई और बिजाई कर दी तो भी होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

खेतों में पराली व अन्य अवशेष जलाने वाले किसानों के खिलाफ कृषि विभाग द्वारा सख्ती बरती जा रही है। कृषि विभाग ने इस कड़ी में मोखरा खेड़ी गांव के किसान वीरपाल पुत्र तेजपाल के पर 5 हजार रुपए जुर्माना ठोका है और साथ ही बहु अकबरपुर थाने में उसके खिलाफ केस दर्ज किया गया है।सहायक प्राद्योगिकी प्रबंधक राजविंदर मान ने बताया कि किसान खेत में पराली जलाने के बाद में उस खेत को जोत देते हैं, ताकि खेत की बहाई के बाद सबूत मिटाया जा सके। लेकिन किसान इस बात को ध्यान रखें, कि यदि किसी किसान ने खेत में आग जलाई है और उसके बाद खेत की बहाई बिजाई कर दी है तो भी जुर्माना लगाया जाएगा और उसके खिलाफ पुलिस केस किया जाएगा। जिस किसान पर कृषि विभाग जुर्माना करता है और कानूनी कार्रवाई करता है तो ऐसे किसानों को कृषि विभाग द्वारा दी जा रही सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा। राजविंद्र मान ने बताया कि फसलें ऑन लाइन नहीं होंगी और न ही खाद व बीज दिया जाएगा। किसान खेत में आग न लगाएंगे।

महम। पराली जलाने वाले किसान के खेत में मौका मुआयना करते हुए विभिन्न विभागों के अधिकारी।

विभाग को सैटेलाइट के माध्यम से मिली सूचना

मोखरा खेड़ी गांव के किसान वीरपाल ने अपने एक एकड़ खेत में पराली में आग लगाई थी, जिसकी सूचना सैटेलाइट के माध्यम से मिली। जिस पर यह कार्रवाई की गई। किसान के खिलाफ की गई कानूनी कार्रवाई में प्रौद्योगिकी अधिकारी राजविंद्र सिंह के अलावा पटवारी राजीव फोगाट, ग्राम सचिव दीपिका, नम्बरदार महेंद्र कुमार व कृषि अधिकारी अजीत तोमर शामिल थे।

जानकारी

शिखर चंद जैन

दुनिया के ऊंचे-ऊंचे खूबसूरत पर्वत-शिखर

बच्चो, पहाड़ यानी माउंटेन हमारी पृथ्वी पर मौजूद विशाल, प्राकृतिक रूप से उठी हुई भौगोलिक संरचना होती है। ये हजारों लाखों साल से स्थिर खड़े हैं। दुनिया में एक से बढ़कर एक ऊंचे और खूबसूरत पहाड़ मौजूद हैं। जानो ऐसे ही कुछ खूबसूरत-ऊंचे पहाड़ों और पर्वत चोटियों के बारे में।

बच्चो, आसमान को चूमते, बादलों को सहलाते हुए से ऊंचे-ऊंचे पहाड़ बहुत खूबसूरत ही नहीं आश्चर्यजनक भी लगते हैं। इनके बर्फीले शिखर, हरी-भरी वादियों से सजी चढ़ाई और बेशुमार पेड़-पौधों से ढंकी घाटियां, हर किसी का मन मोह लेती हैं। यहां तुम्हें दुनिया के कुछ खूबसूरत-ऊंचे पर्वत शिखरों के बारे में बता रहे हैं।

सर्वोच्च पर्वत शिखर माउंट एवरेस्ट, हिमालयः माउंट एवरेस्ट दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है। इसकी ऊंचाई लगभग 8,848.86 मीटर (29,031.7 फीट) है। नेपाल और चीन की सीमा पर स्थित हिमालय के इस पर्वत शिखर को 'पृथ्वी का तीसरा ध्रुव' भी कहा जाता है। माउंट एवरेस्ट हिमालय पर्वत श्रृंखला का हिस्सा है। इसे नेपाली में 'सागरमाथा' कहते हैं, जिसका अर्थ 'आकाश की देवी' है। तिब्बती भाषा में इसे 'चोमोलुंगमा' नाम से पुकारा जाता है, जिसका अर्थ है 'विश्व की देवी मां'। इसकी बर्फ से ढंकी चोटियां सूरज की रोशनी में जब चमकती हैं तो दूर से देखने पर किसी रत्नजड़ित सफेद मुकुट-सी दिखती हैं। अपनी ऊंचाई और खूबसूरती के कारण माउंट एवरेस्ट पर्यटकों और पर्वतारोहियों के आकर्षण का केंद्र हमेशा से रहा है।

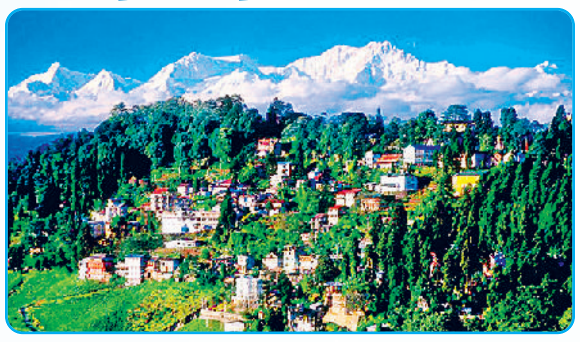

भारत की सर्वोच्च और दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची पर्वत चोटी कंचनजंगा

खतरनाक चढ़ाई वाला के2-गॉडविन ऑस्टेन, काराकोरमः पाकिस्तान और चीन की सीमा पर स्थित के2 दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची पर्वत चोटी है। इसकी ऊंचाई लगभग 8,611 मीटर (28,251 फीट) है। यह अपनी सुंदरता के लिए जितना जाना जाता है, उतना ही अपनी खतरनाक चढ़ाई के लिए भी। इसे 'सेवेज माउंटेन' भी कहा जाता है। के2 की चोटी एक पिरामिड जैसी दिखती है और यह काराकोरम रेंज में स्थित है। इसके चारों ओर ग्लेशियर और बंजर जमीन का नजारा इसे दुनिया के अन्य पर्वत श्रृंखलाओं से अलग रूप प्रदान करता है। पाकिस्तान में विशाल बाल्टोरो ग्लेशियर पर चढ़कर इसके आधार तक पहुंचने के क्रम में यह कई मील दूर से दिखाई देता है। जैसे-जैसे पर्वतारोही इसके करीब पहुंचते हैं, यह पर्वत और भी अद्भुत और खूबसूरत नजर आता है।

आसान नहीं के2-गॉडविन ऑस्टेन पर चढ़ाई करना

भारत की सर्वोच्च पर्वत चोटी कंचनजंगा, हिमालयः भारत और नेपाल की सीमा पर स्थित कंचनजंगा भारत की सबसे ऊंची पर्वत चोटी और दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी है। इसकी ऊंचाई लगभग 8,586 मीटर (28,169 फीट) है। इसका नाम तिब्बती मूल के चार शब्दों 'कांग-चेन-जो-नगा' से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है 'महान हिम की पांच निधियां।' ऐसा माना जाता है कि इसमें सोना, चांदी, रत्न, अनाज और पवित्र पुस्तकें छिपी हुई हैं। यह पहाड़ अपनी बदलती रंगत के लिए जाना जाता है, सुबह और शाम के समय, सूरज की किरणें इसकी चोटियों को गुलाबी, नारंगी और सुनहरे रंगों से रंग देती हैं, जो देखने में बहुत ही जादुई लगता है।

पिरामिड जैसा पहाड़ मैटरहॉर्न, आल्प्सः स्विट्जरलैंड और इटली की सीमा पर स्थित मैटरहॉर्न, आल्प्स पर्वत का एक हिस्सा है। इसकी ऊंचाई लगभग 4,478 मीटर (14,692 फीट) है। इसकी चोटी एक नुकीले पिरामिड की तरह दिखती है, बिल्कुल वैसा ही जैसा तुम बच्चे ड्रॉइंग में माउंटेन बनाते हो। इसकी आकृति चारों तरफ से पिरामिड की तरह ही दिखती है, जो इसे और भी अट्रैक्टिव बनाता है। स्विट्जरलैंड के जर्मेट गांव से अगर इस पहाड़ को देखा जाए तो इसका नजारा किसी पहाड़ की पेंटिंग जैसा खूबसूरत लगता है। इसकी खूबसूरती को देखने दुनिया भर के पर्यटक और प्रकृतिप्रेमी इसके करीब आते हैं।

अत्यधिक खूबसूरत नजर आता है मैटरहॉर्न

सुप्त ज्वालामुखी पर्वत किलिमंजारोः तंजानिया में स्थित किलिमंजारो की ऊंचाई लगभग 5,895 मीटर (19,341 फीट) है। यह अफ्रीका का सबसे ऊंचा पर्वत है, जो वास्तव में एक विशाल सुप्त ज्वालामुखी है। इसकी चोटी पर हमेशा बर्फ जमी रहती है। यह अपनी चोटी पर मौजूद ग्लेशियरों के लिए प्रसिद्ध है, जबकि इसके चारों ओर गर्म अफ्रीकी मैदान हैं। हेलीकॉप्टर से किलिमंजारो के क्रेटर (ज्वालामुखी का मुंह) और ग्लेशियरों का नजारा बेहद खूबसूरत दिखता है। *

अफ्रीका का सर्वोच्च पर्वत किलिमंजारो

टियरगार्टन शॉनब्रुन जू, ऑस्ट्रिया

कैसे होते थे दुनिया के शुरुआती चिड़ियाघर

बच्चो, जू यानी चिड़ियाघर एक ऐसी जगह होती है, जहां तुम एक ही बाउंड्री के भीतर तरह-तरह के एनिमल्स और बर्ड्स देख सकते हो। क्या तुम जानते हो कि दुनिया का पहला जू कैसा था या शुरुआती चिड़ियाघर कैसे होते थे?

रोचक

नयनतारा

बच्चो, अगर तुम्हें वाइल्ड लाइफ यानी जंगली जीव-जंतुओं को देखने, उनके बारे में जानने में इंटरेस्ट है तो तुम अपने शहर या आस-पास के किसी शहर में जू यानी चिड़ियाघर जरूर घूमने गए होगे। जू में तुम ऐसे अनेक जंगली और दुर्लभ जानवरों को एकदम सामने से देख सकते हो, जिन्हें तुमने किताबों में या टीवी पर देखा होगा। लेकिन क्या तुम जानते हो दुनिया में इस तरह जू बनाने की शुरुआत कब और किसने की थी? आओ इस बारे में जानते हैं।

पहला जू था-इंटेलिजेंस पार्कः बच्चो, लगभग 3000 साल पहले एक चीनी बादशाह अपने राज्य में एक स्थान पर कई तरह के जानवरों को रखता था, जिसे वह 'इंटेलिजेंस पार्क' कहता था। उस चीनी राजा के कलेक्शन में जीवित जानवर ही थे या मृत, इसका प्रमाण नहीं मिलता है। ज्यादातर लोगों का यही मानना है कि वह राजा, जानवरों का अध्ययन करने के लिए और उनकी आदतें जानने के लिए उनको पालता था। इस लिहाज से देखा जाए तो शायद वही संसार का पहला जू था। आज भी जू में वाइल्ड एनिमल्स, बर्ड्स व रेप्टाइल्स (रेंगने वाले जीव) रखे जाते हैं, ताकि लोग उन्हें देखें-जानें और वैज्ञानिक उनका अध्ययन कर सकें।

मनोरंजन का साधन थे पर्सनल जूः समय बीतने के साथ गांव और शहर बड़े होते गए तो कुछ लोग जंगली जानवरों का शिकार कर या उन्हें कैदकर अपने घरों में लाकर रखते थे। लोग जंगली जानवरों को अकसर अपने पास पालते थे ताकि दिखाया जा सके कि वह कितने रईस और शक्तिशाली हैं। ऐसे लोग कभी-कभार लोगों को परमिशन देते थे ताकि लोग आकर उनके जानवरों का कलेक्शन देख सकें।

पब्लिक जू बनाने की शुरुआतः यूरोप में 9वीं शताब्दी की शुरुआत से ही पब्लिक जू बनने लगे थे। अगले 700 से 800 वर्षों के दौरान संसार के बड़े शहरों में कई सारे पब्लिक जू का निर्माण किया गया। वैसे, ऑस्ट्रिया के वियना में स्थित टियरगार्टन शॉनब्रुन को दुनिया का पहला आधुनिक चिड़ियाघर माना जाता है। यूनेस्को के विश्व धरोहर सूची में शामिल यह चिड़ियाघर आज भी संचालित है। जहां तक संसार के सबसे बड़े और मशहूर चिड़ियाघरों की बात है तो इनमें टोरंटो जू (कनाडा), मॉस्को जू (रूस), सैन डिएगो जू (यूएसए), लंदन जू (इंग्लैंड), वेस्ट बर्लिन जू (जर्मनी) आदि शामिल हैं। *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

समझदार बनाती कहानियां

बच्चो, हाल में बाल कहानियों की एक किताब 'बाल सभा पार्क एवं अन्य बाल कहानियां' छपकर आई है। इसमें कुल जमा 27 कहानियां हैं। ये कहानियां हैं तो छोटी लेकिन इसमें तुम्हें समझदार इंसान बनने के लिए सरल ढंग से कई बड़ी बातें सीखने को मिल सकती हैं। किताब की शीर्षक कहानी 'बाल सभा पार्क' में तुम पढ़ोगे कि कैसे समझदार बच्चा अनुभव, अपनी युक्ति से कॉलोनी के पार्क को साफ-सुथरा करके खेलने योग्य बना देता है। 'ऐसे उतरा रील का भूत' में टिंकू की रील बनाने की आदत कैसे छूटती है, यह पढ़ सकते हो तो 'इम्यूनिटी से मुलाकात' में तुम पढ़ोगे कि अवि को कैसे समझ में आता है कि इम्यूनिटी मजबूत बनाने के लिए क्या करना चाहिए? इसी तरह संग्रह की अन्य कहानियां पढ़कर तुमको यह भी महसूस होगा कि भले ही तुम अभी छोटे हो लेकिन अगर चाहो और सही दिशा में प्रयास करो तो बड़े बदलाव ला सकते हो। साथ ही दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित कर सकते हो। *

किताब : बाल सभा पार्क एवं अन्य बाल कहानियां, **लेखक :** शिखर चंद जैन, **मूल्य :** 300 रुपए, **प्रकाशक :** प्रखर गूंज पब्लिकेशन, दिल्ली

बूझो तो जानें

1
घर की रखवाली करता है,
वफादार कहलाता।
है मशहूर नींद इसकी तो,
देखें कौन बताता।।

2
गोलमटोल मगर छोटा सिर,
रंग है हल्का पीला।
काले धब्बे दिखते तन पर,
लेकिन खूब सजीला।।

3
'मामा' कहकर इसे बुलाते,
रंग सुनहरा भूरा।
पेड़ों की डाली पर बैठा,
करता सबको घूरा।।

- डॉ. घमंडीलाल अग्रवाल

उत्तर: 1.कुत्ता, 2.चीता, 3.बंदर

जीके क्विज-181

1. वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप फाइनल में पहला स्वर्ण पदक किस भारतीय खिलाड़ी ने जीता?
2. मिस यूनिवर्स-2025 का खिताब किसने जीता?
3. एशियाई विकास बैंक का मुख्यालय किस देश में स्थित है?
4. बटरफ्लाई शब्द का संबंध किस खेल से है?
5. कौन-सा रंग रेनबो के बीच में दिखाई देता है?
6. जीवाणु (बैक्टीरिया) की खोज किसने की थी?
7. कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
8. 'लोकनायक' के नाम से किसे जाना जाता है?
9. बल का मात्रक क्या है?
10. भारत का दक्षिणतम बिंदु किस नाम से जाना जाता है?

बच्चो, जीके क्विज-181 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-180 का उत्तर : 1.डेविड स्जेले, 2.नई दिल्ली, 3.नीतीश कुमार, 4.लखनऊ, 5.लॉर्ड डलहौजी, 6.नारायण पंडित, 7.विटामिन-ए, 8.सूर्य, 9.इंफाल, 10.तमिलनाडु

जीके क्विज-180 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, ओमदेव-मुंगेली, मान्या-दिल्ली, रमेश-बैकुंठपुर, दीपक-ईमेल से, हितेश-रायपुर, सौरभ-बिलासपुर, आंचल-दुर्ग, रोहन-महेंद्रगढ़, अंकित-रोहतक, आकाश-राजनांदगांव

नन्हे-मुन्नों के लिए कहानी

पुष्पा अंताणी

टिंकू ने घर में टंगी एक तस्वीर में समंदर में चलने वाला पानी का जहाज देखा। उसका मन हुआ, वह समुद्री जहाज में बैठकर सैर करे। टिंकू ने तुरंत समुद्री जहाज की व्यवस्था की। उसने स्वयं तो सैर की ही, अपने खिलौनों को भी सैर कराई। बच्चो, है ना अजीब बात! टिंकू के घर में कहां से आ गया समुद्र और समुद्री जहाज?

जहाज में सवारी

नन्हा-सा टिंकू अपनी मम्मी के पास बैठकर दूध पी रहा था। उसकी नजर दीवार पर टंगी एक तस्वीर पर पड़ी। दूध का घूंट पीते हुए उसने तस्वीर की ओर इशारा करते हुए पूछा, 'मम्मी, यह क्या है?'

'यह पानी का जहाज है।' मम्मी ने बताया। 'मम्मी, क्या पानी का जहाज समंदर में चलता है?' टिंकू ने पूछा।

'हां, बेटा।' मम्मी बोलीं।

'मुझे समंदर बहुत पसंद है, मम्मी। मुझे जहाज में बैठना है।' टिंकू मचलते हुए बोला। 'बेटा, तुम अभी बहुत छोटे हो, बड़े हो जाओ तब जहाज में बैठना।' मम्मी ने दूध का गिलास नीचे रखते हुए समझाया। 'मम्मी, क्या बड़ा होने में ज्यादा समय लगता है?' टिंकू ने नया सवाल किया। 'नहीं रे, तुम तो अच्छे बच्चे की तरह दूध पी लेते हो। तुम जल्दी बड़े हो जाओगे। अब जाओ, अपने खिलौनों से खेलो।' मम्मी टिंकू के गाल पर प्यार से चपत मारते हुए बोलीं। टिंकू ने प्लास्टिक की थैली से अपने सारे खिलौने बाहर निकाले। उसके पापा कल ही छोटे-छोटे खिलौने लाए थे। तोता, चिड़िया, बंदर, मोर, बाघ, जिराफ, गैंडा, शेर जैसे कई जानवर और पक्षी थे। टिंकू खुशी से अपने इन नए दोस्तों को देख रहा था। उसे लगा कि वे सब उसे कह रहे हैं, 'हमें जहाज में बैठना है।' सबका एक साथ शोर सुनाई दिया। टिंकू अपने कानों पर हाथ रखते हुए बोला, 'शांत हो जाओ सब! मैं तुम सबको जहाज में बिठाऊंगा।' तभी दादाजी सैर करके घर में आए। टिंकू उनके पास भागकर आया। दादाजी के हाथ में एक बड़ा कागज देते हुए बोला, 'दादाजी, इस कागज से मेरे लिए एक बड़ी-सी बोट बना दो ना! बहुत बड़ी बोट।' दादाजी बोट बनाने लगे। टिंकू बाथरूम में गया, वहां से एक टब ले आया। उसमें पानी भरा। दादाजी ने बोट बनाकर टिंकू को दे दी। टिंकू ने बोट अपने खिलौनों को दिखाई। 'देखो, यह है हमारा जहाज।' उसने खिलौनों को टब में भरा पानी दिखाया और बोला, 'यहां है समंदर... चलो, सब तैयार हो जाओ। मैं तुम सब को जहाज में घुमाने ले जाऊंगा। रास्ते में खाने के लिए नाश्ता भी ले आता हूं।'

टिंकू मम्मी के पास जाकर सेव, मुरमुरे, चॉकलेट, बिस्कुट, बेर वगैरह ले आया। सब कुछ नाश्ते के डिब्बे में रख दिया फिर बोट को टब के पानी में उतारा। उसमें सब खिलौने को अच्छी तरह से बैठा दिया। टिंकू अपनी एक अंगुली से कागज की बोट को हल्का-हल्का धक्का मारने लगा। टब के पानी में गोल-गोल घुमाने लगा। टिंकू को लगा कि उसके सब दोस्त बहुत खुश हैं, नाच रहे हैं। उसने टब को थोड़ा धक्का मारा। पानी थोड़ा उछला। खिलौने भी एक-दूसरे पर गिरे। टिंकू ने खिलौनों को सावधान किया, 'शरारत मत करो। अभी समंदर थोड़ा तूफानी है। सब अपनी जगह बैठे रहो।'

टिंकू को लगा कि उसकी बात सुनकर सब खिलौने जरूरत से ज्यादा शांत हो गए हैं। इसलिए वह बोला, 'अब डरने की कोई बात नहीं है। समंदर शांत हो गया है।' सब खुश हो गए। टिंकू ने बोट के छह-सात चक्कर लगाने के बाद उसे रोक दिया और बोला, 'तुम सबको भूख लगी होगी ना, चलो, थोड़ा नाश्ता खा लो।'

टिंकू ने सब खिलौने बोट से बाहर निकाले और बोला, 'संभल कर उतरना, किसी का पैर फिसला तो सीधे समंदर में गिरोगे। यहां समंदर काफी गहरा है।' टिंकू ने सभी खिलौने के सामने नाश्ता रखा। उसने भी नाश्ता किया। थोड़ी देर सब ने आराम किया। फिर टिंकू बोला, 'चलो, अब वापस लौटने का समय हो गया है।' सभी दोस्तों को फिर से बोट में बिठा दिया। बोट को उल्टी दिशा में चलाने लगा। थोड़े चक्कर लगाने के बाद वह बोला, 'वापस आ गए।' टिंकू ने देखा कि उसके सब दोस्त बहुत खुश हैं। हर कोई मानो उसे कह रहा हो, 'वाह, टिंकू भैया! जहाज में बैठने और घूमने में बड़ा मजा आया। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद!'

टिंकू सारे खिलौनों को प्लास्टिक की थैली में वापस डालते हुए बोला, 'जब मैं बड़ा हो जाऊंगा, तब एक बड़े और सचमुच के जहाज में बैठूंगा और बड़े समंदर में घूमने जाऊंगा।' टिंकू आज बहुत खुश था। *

गुजराती से अनुवादः सेतु अंताणी

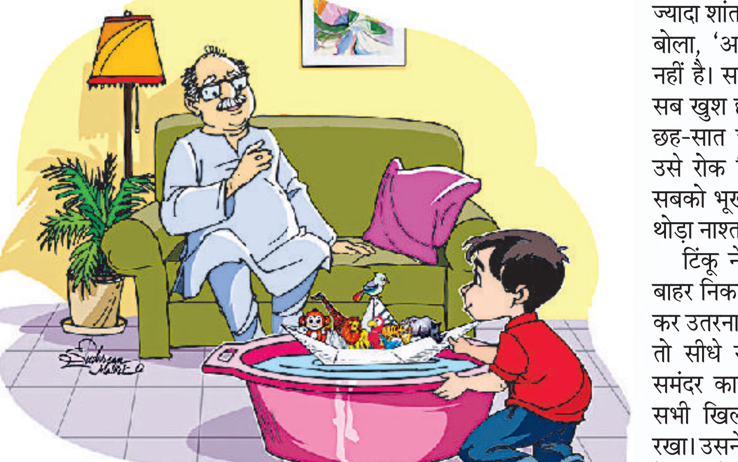

कविता / गिरिजा कुलश्रेष्ठ

मोती ये कैसे हैं

बड़े सबेरे मुनियां रानी
मां को लगी जगाने।
देखो हरी घास पर बिखरे
मोती बड़े सुहाने।
मां ये मोती कितने सुंदर,
चमचम चमक रहे हैं।
सूरज की लाली में कैसे,
दमदम दमक रहे हैं।
रातों-रात भला किसने,
ये मोती यूं बिखराए।
इससे पहले कोई और
इन्हें चुनकर ले जाए,

मैं ही चुन लूं क्यों न इन्हें
मां, अपना हार बनाने,
गुड़िया को भी माला कंगन,
बना-बना पहनाने।
कुछ तुम भी अपनी चुनरी में
टांक सजा लेना मां,
जूड़े की पिन में ये मोती
खूब लगा लेना मां।
मुनियां मोती चुनने आई,
हंस कर और हुलस कर।
पर मोती कैसे थे जो,
छूते ही गिरे पिघल कर।

रंग भरो-190

रंग भरो-190 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

रितेश, मटियारी

आशना, जांजगीर

भव्य, धमतरी

माही, महासमुंद

फरहान, धमतरी

काव्या, रायपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

आद्या-उमरिया, प्रियंका-रायपुर, प्रवीण-भोपाल, किंशुक-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, रोशन-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, तुषार-करनाल, अमन-बिलासपुर, आकाश-कोरबा

रंग भरो 191

बच्चो, यहां पेंटिंग बना रही लड़की टीना का एक ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए नगर निगम हुआ सख्त

■ स्वच्छता में नागरिकों की भागीदारी अनिवार्य, गंदगी फैलाने वालों पर निगम की कड़ी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

रोहतक। शहर की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए अफसरों को जरूरी निर्देश देते निगम आयुक्त डॉ आनंद शर्मा।

नगर निगम ने शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वास्थ्यकर बनाने के लिए अपनी कार्य प्रणाली को और अधिक मजबूत कर दिया है। सफाई व्यवस्था को लेकर नगर निगम अत्यंत गंभीर है और नियमित रूप से जमीनी स्तर पर समीक्षा की जा रही है। स्वच्छता का कार्य केवल निगम का नहीं, बल्कि हर नागरिक का दायित्व है। जब तक लोग स्वयं सहयोग नहीं करेंगे, तब तक शहर को पूरी तरह स्वच्छ रखना संभव नहीं होगा। निगम आयुक्त डॉ आनंद शर्मा ने कहा कि नागरिक डस्टबीन का उपयोग करें तथा यदि कोई व्यक्ति सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकता है तो उसे रोकने में भी अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि रोहतक शहर सबका है और इसकी सफाई की जिम्मेदारी भी सभी मिलकर निभाएं। निगम की टीमें लगातार फील्ड में काम कर रही हैं और गंदगी फैलाने वालों पर चालान किए जा रहे हैं। आज भी निगम टीम ने छह चालान काटकर कुल 3100 रुपये का जुर्माना वसूल किया है। कई बार लोग शिकायत करते हैं कि उनके घर या दुकान पर कूड़ा उठाने वाली गाड़ी नहीं पहुंचती, लेकिन निगम की हेल्पलाइन 7303050200 और 7303050800 पर ऐसी शिकायतें दर्ज ही नहीं करवाई जातीं। इसके विपरीत लोग कूड़ा सड़क या सार्वजनिक स्थानों पर फेंक देते हैं, जिससे पूरे शहर में गंदगी फैलती है। अब निगम की टीम ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित कर उन पर कड़ी कार्रवाई कर रही है, जिससे शहर को स्वच्छ रखने के प्रयास सफल हो सकें। बैठक में विशेष अधिकारी (स्वच्छता) प्रदीप कौशिक, कार्यकारी अभियंता मंजीत दहिया, सहायक अभियंता सत्यव्रत, मुख्य सफाई निरीक्षक सुधीर कुमार और सचिन, कनिष्ठ अभियंता सूर्या धनखड़, सहायक सफाई निरीक्षक नरेंद्र, परमजीत, सुमित फौगाट, कृष्ण लाल, प्रदीप कुमार, संदीप राठी, सुशील कुमार तथा घर-घर से कूड़ा उठाने वाली एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक का उद्देश्य शहर में सफाई व्यवस्था को सुनिश्चित करना

बैठक का मुख्य उद्देश्य शहर में सफाई व्यवस्था को सुनिश्चित करना, गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई करना और डस्टबीन न रखने वालों पर सख्त कार्रवाई करना था। सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे फील्ड में रहकर यह सुनिश्चित करें कि हर घर, दुकान और संस्था तक कूड़ा उठाने वाला वाहन समय पर पहुंचे। विशेष रूप से मार्केट क्षेत्रों में रात के समय भी कूड़ा उठाया जाएगा ताकि दुकानदार बाहर कूड़ा न फेंकें।

निगम ने की अपील

निगम ने मार्केट एसोसिएशन और दुकानदारों से अपील की कि वे अपनी दुकान पर डस्टबीन अवश्य रखें और कूड़ा सड़क पर न फेंकें। रात के समय निगम की गाड़ियां मार्केट क्षेत्रों से कूड़ा उठाने का कार्य करती रहेंगी, इसलिए दुकानदार अपने कचरे को डस्टबीन में जमा कर निर्धारित समय पर वाहन को सौंपें। अन्यथा डस्टबीन न रखने या कूड़ा फैलाने पर निगम टीम चालान करेगी, जिसकी जिम्मेदारी स्वयं दुकानदारों की होगी।

खबर संक्षेप

महम। स्वीटी बूरा का स्वागत करते हलका महम के जनप्रतिनिधि।

कांस्य पदक जीतकर लौटी स्वीटी बूरा का स्वागत

महम। वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर लौटी बॉक्सर स्वीटी बूरा का महम पहुंचने पर स्वागत किया गया। उनके स्वागत के लिए सतगुरु कुटिया में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस सम्मान समारोह में महंत सतीश दास समेत इलाके के कई जनप्रतिनिधियों ने स्वीटी बूरा को गदा भेंट कर स्वागत किया। सतीश दास ने कहा कि हरियाणा लगातार देश को बेहतरीन खिलाड़ी दे रहा है और बेटियां आज अंतरराष्ट्रीय मंच पर न केवल जीत हासिल कर रही हैं, बल्कि विश्व में भारतीय प्रतिभा की नई पहचान बना रही हैं।

एमडीयू में ओरिएंटेशन प्रोग्राम सम्पन्न

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ द्वारा आज टैगोर सभागार में एकदिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अत्यंत गरिमा, शिष्टाचार और अनुशासन के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने का केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की प्रयोगशाला है। उन्होंने ज्ञान के साथ संवेदना, राष्ट्र के प्रति दायित्व और सेवा-भाव के महत्व पर जोर दिया।

प्रो. संदीप दलाल ने दुबई में शोध पत्र प्रस्तुत किया

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशंस विभाग के प्रोफेसर डॉ संदीप दलाल ने बिट्स दुबई (यूएई) में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।
प्रो संदीप दलाल ने क्लाउड कम्प्यूटिंग में विभिन्न एमएल आधारित लोड बैलेंसिंग विधियों के प्रदर्शन मैट्रिक्स की तुलनाः बेंचमार्क्ड डाटासेट के आधार पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया, जिसे सम्मेलन में उपस्थित शिक्षाविदों ने सराहा। प्रो संदीप दलाल ने अपने शोध पत्र में बताया कि क्लाउड कम्प्यूटिंग के बढ़ते उपयोग और आईओटी उपकरणों की संख्या में लगातार इजाफे के चलते डेटा सेंटरों में लोड बैलेंसिंग और संसाधन प्रबंधन एक बड़ी चुनौती बन गए हैं।

बास्केटबॉल व कबड्डी टूर्नामेंट 28 से 30 तक

रोहतक। स्पोर्ट्स प्रमोशन क्लब किलोई द्वारा आयोजित 39वां डॉ. रामधन सिंह मेमोरियल इनविटेशन बास्केटबॉल व कबड्डी टूर्नामेंट 28 से 30 नवंबर तक बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया जाएगा। यह वार्षिक आयोजन क्षेत्र में उभरती खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने तथा युवाओं को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का उत्कृष्ट मंच प्रदान करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित किया।

एमडीयू में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हार्पिस्ट डॉ. चैरीन किम का व्याख्यान

मानसिक स्वास्थ्य, एकाग्रता समय प्रबंधन पर छात्रों को किया संबोधित

डॉ. चैरीन किम ने अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और कोरिया में 13 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं जीती हैं

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

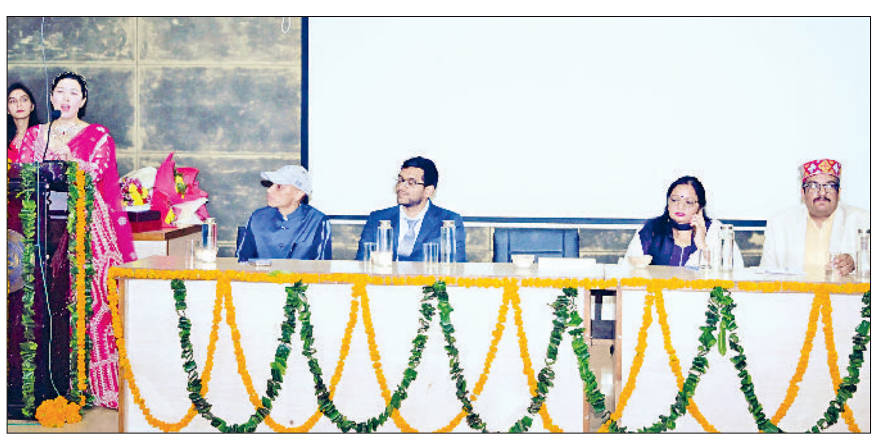

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते शिक्षाविद डॉ. चैरीन किम। फोटो : हरिभूमि

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय में वाइस-चांसलर डिस्टिंग्विश्ड लेक्चर सीरीज के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हार्पिस्ट, पियानिस्ट, कम्पोजर एवं शिक्षाविद डॉ. चैरीन किम ने- मेंटल फोकस एंड डिसिप्लिन टू बी अ ग्लोबल लीडर विषय पर प्रेरक व्याख्यान दिया। कार्यक्रम विभाग छात्र कल्याण, सेंटर फॉर इंटरनेशनल एकेडमिक अफेयर्स, डीन रिसर्च एंड डेवलपमेंट तथा चौधरी रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ।

डॉ. किम ने मानसिक स्वास्थ्य, एकाग्रता, समय प्रबंधन, आत्म-अनुशासन, प्रेरणा और चरित्र-निर्माण के व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से बात की।

उन्होंने कहा कि जीवन एक यात्रा है, जिसे स्वयं से प्रेम, सकारात्मक ऊर्जा और स्पष्ट उद्देश्य के साथ जीना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी कम्युनिकेशन (संचार) को शॉर्ट एंड सिंपल रखें, हर दिन के लिए एक स्पष्ट गोल निर्धारित करें और अपनी ज़िंदगी को सार्थक बनाएं। उन्होंने कहा, यदि संगीत प्रेम का भोजन है, तो इसे चलते रहने दें और समझाया कि जैसे संगीत में रियाज़ और अनुशासन जरूरी है, वैसे ही जीवन में भी निरंतरता और मेहनत ही उत्कृष्टता की कुंजी है। डॉ. चैरीन किम का संक्षिप्त परिचय देते हुए बताया गया कि वे विश्वविख्यात संगीतज्ञ और शिक्षाविद हैं, जिन्होंने 140 से अधिक रचनाएं और एल्बम प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और कोरिया में 13 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं जीती हैं तथा विश्व स्तर पर अनेक प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में जज की भूमिका निभाई है। वे इव्हा यूनिवर्सिटी (साउथ कोरिया), रॉयल एकेडमी ऑफ म्यूज़िक (लंदन), येल यूनिवर्सिटी और बॉस्टन यूनिवर्सिटी से उच्च शिक्षा प्राप्त हैं और एस्टोनिया, मैनचेस्टर-बॉस्टन तथा हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से संबद्ध हैं।

ग्लोबल एक्सपोर्ट की पहलों पर प्रकाश डाला

सेंटर फॉर इंटरनेशनल एकेडमिक अफेयर्स के डीन प्रो आशीष दहिया ने स्वागत भाषण में विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों और ग्लोबल एक्सपोर्ट की पहलों पर प्रकाश डाला। डीन रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रो. के.के. शर्मा ने गुणवत्तापूर्ण शोध, शोध मूल्यों और वैश्विक नेटवर्किंग पर जोर दिया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सरवजीत गिल ने किया। डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. सपना गर्ग ने कहा कि एमडीयू छात्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि वे सच्चे अर्थों में ग्लोबल सिटिजन बन सकें। चौधरी रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज के निदेशक प्रो. संदीप मलिक ने ऐसे कार्यक्रमों को छात्रों में नेतृत्व, अनुशासन और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने वाला बताया। अंत में शिक्षकों और विद्यार्थियों ने कुलपति प्रो. राजबीर सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया कि उनकी प्रेरणा से वाइस-चांसलर डिस्टिंग्विश्ड लेक्चर सीरीज जैसे सृजनात्मक मंच लगातार सशक्त हो रहे हैं।

न्यूज डायरी

राजकीय कन्या विद्यालय में संगोष्ठी का आयोजन

रोहतक। शहीद कैप्टन दीपक शर्मा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बृहस्पतिवार को जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डाइट मदीना के प्राचार्य वीरेंद्र मालिक ने की। मुख्य वक्ता डॉ. सुनील खोखर ने विद्यार्थियों को जनजातीय नायक बिरसा मुंडा के संघर्षपूर्ण जीवन और स्वतंत्रता आंदोलन में उनके अमूल्य योगदान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बिरसा मुंडा ने कम उम्र में ही जनजातीय समाज को संगठित कर अंग्रेजों के अत्याचारों एवं सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ निर्णायक संघर्ष छेड़ा। डॉ. खोखर ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती का उल्लेख करते हुए बारडोली सत्याग्रह में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका और राष्ट्रीय एकीकरण में दिए गए योगदान पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और कर्तव्यनिष्ठा के कारण ही उन्हें 'लौह पुरुष' की उपाधि मिली। कार्यक्रम में विद्यालय प्राचार्या मीता कंसल, अजीता देवी, नीलम देवी, कांता, कृष्ण गोबिंद, राम कुमार सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

पोस्टर बनाकर दिया नशामुक्ति का संदेश

रोहतक। श्री लाल नाथ हिंदू कॉलेज के एंटी ड्रग अवेयरनेस सेल द्वारा मादक पदार्थों के हानिकारक प्रभाव विषय पर पोस्टर एवं स्लोगन प्रदर्शनी का सफल आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य छात्रों में नशा-निरोध के प्रति जागरूकता फैलाना और युवाओं को नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका के लिए प्रेरित करना था। गगन, मनीषा, पलक, लावण्या, अंकित, शिवम, अमित सहित कई विद्यार्थियों ने रचनात्मक पोस्टर, प्रभावशाली स्लोगन और आकर्षक चार्ट प्रस्तुत किए, जिनमें नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और पारिवारिक दुष्परिणामों को स्पष्ट रूप से दर्शाया गया। सेल की संयोजिका डॉ. रजनी कुमारी ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति का बल्कि पूरे परिवार और समाज का भविष्य समाप्त कर देता है। उन्होंने छात्रों की संवेदनशीलता और सृजनात्मकता की सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार तनेजा ने कहा कि नशे की बढ़ती प्रवृत्ति समाज के लिए गंभीर चुनौती है और शिक्षा संस्थानों का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों को जागरूक किया।

रोहतक। शिविर में रक्तदाताओं को बैज लगाते प्राचार्या डॉ. सुदेश लाठर।

रेड क्रॉस सोसाइटी ने लगाया रक्तदान शिविर

रोहतक। राजकीय महाविद्यालय जसिया में वीरवार एनएसएस एवं यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुदेश लाठर ने रिबन काटकर कैंप का शुभारंभ किया। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। प्राचार्या डॉ. लाठर ने कहा कि रक्तदान महादान है और समय-समय पर इसका आयोजन जरूरतमंदों का जीवन बचाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस कैंप के लिए सिविल अस्पताल रोहतक के ब्लड बैंक की टीम डॉ. गरिमा के नेतृत्व में पहुंची और पूरी प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराया। महाविद्यालय के टीचिंग तथा नॉन-टीचिंग स्टाफ ने भी बढ़-चढ़कर रक्तदान करते हुए मानव सेवा का संदेश दिया।

सैनी एजुकेशन सोसाइटी में दो दिवसीय खेल आज से

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

सैनी एजुकेशन सोसाइटी में दो दिवसीय वार्षिक खेल महाकुंभ का शुभारंभ शनिवार को होगा, जिसका उद्घाटन उपायुक्त सचिन गुप्ता करेंगे। संस्था के प्रधान अवनीश कुमार सैनी ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी 29-30 नवंबर को छात्र-छात्राओं के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसमें सैनी कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सैनी बॉयज सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सैनी पब्लिक स्कूल, सैनी को-एजुकेशन कॉलेज और सैनी गर्ल्स बीएड कॉलेज के विद्यार्थी हिस्सा लेंगे तथा अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। खेल महाकुंभ में मुख्य रूप से 100 व 200 मीटर दौड़, लॉन्ग जंप, हाई जंप, शॉट पुट, थ्री लैग रेस और टैग ऑफ वार जैसी प्रतियोगिताएं शामिल हैं। सभी खिलाड़ी एक सप्ताह से महाराज शूर सैनी खेल स्टेडियम में स्टाफ और कोच के मार्गदर्शन में लगातार अभ्यास कर रहे हैं। खेल कमेटी के अध्यक्ष राजेश सैनी खिलाड़ियों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवा रहे हैं।

कला के नए आयाम पर मंडल स्तरीय कार्यशाला का हुआ भव्य शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

सोनीपत और रोहतक जिले के कला अध्यापकों के बीच आज अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला, जब 27 नवंबर को तीसरे बैच की त्रिदिवसीय मंडल स्तरीय 'कला कार्यशाला' का भव्य शुभारम्भ हुआ। 27 से 29 नवंबर तक आयोजित की जा रही इस कार्यशाला का उद्देश्य कला शिक्षण में नवाचार, आधुनिक तकनीकों एवं श्रेष्ठ पद्धतियों का आदान-प्रदान करना है। इस कार्यशाला में दोनों जिलों के प्रशिक्षित स्नातक कला अध्यापक उत्साहपूर्वक सहभागी बने। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बीईओ महम सरिता खानगवाल, प्राचार्य अनिल दहिया (चमारिया) एवं प्राचार्या सुनीता रांगी (धामर) उपस्थित रहीं। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी दलजीत सिंह और उप जिला शिक्षा अधिकारी राजबाला मलिक भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। सभी गणमान्य व्यक्तियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का विधिवत शुभारम्भ किया।

बीएमयू के विद्यार्थियों ने नाटक के माध्यम से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

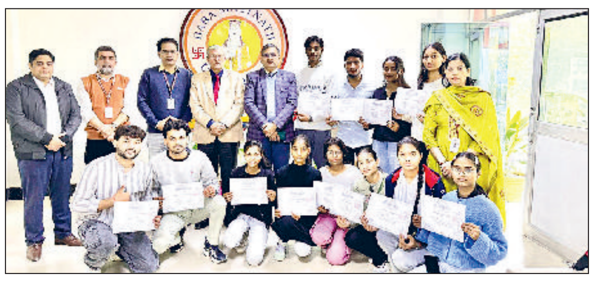

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा एसजीटी यूनिवर्सिटी में नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता के प्रतिभागियों के साथ कुलपति प्रो. बी. एम. यादव व रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार। फोटो : हरिभूमि

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने एसजीटी यूनिवर्सिटी में आयोजित दो दिवसीय नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता में भाग लिया। इस प्रतियोगिता में बीएमयू के विद्यार्थियों ने सामाजिक सरोकारों से जुड़ा नाटक "प्रदूषण का कहर" प्रस्तुत किया। सभी कलाकारों ने बढ़ते प्रदूषण की समस्या, उसके खतरनाक परिणाम और इसके समाधान की दिशा में उठाए जा सकने वाले कदमों को सरल और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। मंचन के दौरान कलाकारों ने दिखाया कि किस तरह जागरूकता, पर्यावरण सुरक्षा और जिम्मेदार नागरिक भावना से इस गंभीर समस्या से निपटा जा सकता है। नाटक का निर्देशन डॉ. सुशील कुमार ने किया, जिनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने अपने संवाद, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति में बेहतरीन तालमेल दिखाया।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीएम यादव ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की प्रशंसा की और कहा कि विश्वविद्यालय हमेशा अपने छात्रों को सकारात्मक मंच और सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी बताया कि सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति क्षमता को बढ़ाती हैं। बीएमयू के रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार ने भी छात्रों को प्रोत्साहित किया और कहा कि ऐसी गतिविधियां विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

पंडित नेकीराम शर्मा कॉलेज में दो-दिवसीय 91वीं खेलकूद संपन्न

10000 मीटर ब्यॉज में तरुण ने सबको पछाड़ा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

रोहतक। खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी ।

-विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि डॉ. संतोष हुड्डा, प्रिंसिपल, सर छोटू राम राजकीय महिला महाविद्यालय ।

पंडित नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय में दो-दिवसीय 91वीं खेलकूद प्रतियोगिता का समापन वीरवार को उत्साहपूर्ण और भव्य समारोह के साथ हुआ। पूरे महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों का जोश और खेल भावना देखते ही बनी। समापन समारोह की मुख्य अतिथि डॉ. संतोष हुड्डा, प्रिंसिपल, सर छोटू राम राजकीय महिला महाविद्यालय रहीं। उनका स्वागत प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र सांगवान एवं कॉलेज काउंसिल सदस्यों ने पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह देकर किया।

खेल अधिकारी डॉ. धर्मेंद्र द्वारा दो दिनों की प्रतियोगिताओं के संक्षिप्त विवरण के साथ हुई। महाविद्यालय के विभिन्न वर्गों के विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। प्रमुख आकर्षण स्पर्धाएं 10000 मीटर रेस और 100 मीटर रेस रहीं, जिनमें कड़े मुकाबले देखने को मिले। प्रतियोगिता के दौरान छात्रों ने उत्कृष्ट कौशल, अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया। समापन पर आयोजित प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन समारोह में मुख्य अतिथि, प्राचार्य और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने विजेताओं को मेडल, ट्रॉफी व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। 10000 मीटर बॉयज में तरुण प्रथम, राजू द्वितीय, अनुज तृतीय रहे। जैवलिन थ्रो गर्ल्स में तमन्ना प्रथम, चंचल द्वितीय, ज्योति तृतीय रहीं। जैवलिन थ्रो बॉयज में प्रवेश प्रथम, शुभम द्वितीय, तनुज तृतीय रहे। 800 मीटर गर्ल्स में काजल प्रथम, सुनैना द्वितीय, निशा तृतीय रहीं। 100 मीटर बॉयज में तनुज ने प्रथम स्थान हासिल किया। रिले रेस में भी काजल व तनुज की टीमों ने बाजी मारी। बेस्ट एथलीट का खिताब काजल और तनुज को मिला। राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ। छात्रों, शिक्षकों व आयोजन समिति की सक्रिय भागीदारी ने इस प्रतियोगिता को यादगार बना दिया।

नहर किनारे गोली मारकर महिला की हत्या के केस में नया मोड़

गर्भवती महिला का पति से था दहेज को लेकर झगड़ा, आरोपी फरार

पुलिस ने मृतक महिला के पिता की शिकायत पर किया केस दर्ज, मारपीट करने के भी आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिले में एक चिंताजनक और दिल दहला देने वाली वारदात ने आम जनमानस को झकझोर दिया है। जवाहर लाल नेहरू नहर की पटरी पर चार दिन पहले सोमवार को मिली अज्ञात महिला की लाश की पहचान हो गई है। मृतक महिला की पहचान जिला जौनपुर उत्तर-प्रदेश निवासी प्रिंयका के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि वह गर्भवती थी और उसके पहले से दो छोटे बच्चे भी हैं। शव मिलने के बाद से पुलिस पहचान करने में जुटी हुई थी। परिजनों ने पहुंचकर शव की पुष्टि की।

वहीं, मृतका के पिता सुरेंद्र यादव के बयान दर्ज होने के बाद मामला और भी संगीन हो गया है, क्योंकि पिता ने प्रियंका के पति राजू पर ही हत्या का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि पति दहेज के लिए प्रियंका के साथ मारपीट करता था। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

मृतका के पिता सुरेंद्र यादव ने पुलिस को बयान देकर पति राजू यादव पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। भाई का कहना है कि प्रियंका लंबे समय से परेशान थी और उसके साथ मारपीट की घटनाएं होती रहती थीं। हत्या के बाद से पति मौके से फरार बताया जा रहा है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश तेज कर दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, नहर के पास शव मिलने के बाद हालात बेहद भयावह थे। प्रियंका के शरीर पर गोली लगने के स्पष्ट निशान मौजूद थे, जिससे पुलिस ने तुरंत हत्या का मामला माना। घटना स्थल पर खून के धब्बे और घसीटने के निशान भी मिले, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि हत्या कहीं और की गई और बाद में शव को नहर किनारे फेंका गया।

चार वर्षों से रोहतक में रह रही थी प्रियंका

परिवार के अनुसार, प्रियंका पिछले चार वर्षों से काम के सिलसिले में रोहतक में रह रही थीं। पति-पत्नी के बीच लंबे समय से तनाव चल रहा था। प्रियंका के पिता ने बताया कि राजू अक्सर प्रियंका से झगड़ा करता था और घरेलू विवाद बढ़ते जा रहे थे। आरोप है कि इसी तनाव के चलते राजू ने प्रियंका को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया और फिर फरार हो गया। प्रियंका डरते-डरते अपने बच्चों की परवरिश कर रही थी और गर्भवती होने के कारण मानसिक व शारीरिक रूप से और भी कमजोर हो गई थीं। उन्होंने बताया कि प्रियंका ने कई बार पति के उत्पीड़न का जिक्र किया था, लेकिन वह बच्चों के भविष्य के कारण रिश्ता बचाने का प्रयास करती रही।

जल्द ही आरोपियों की होगी गिरफ्तारी

वारदात को हल करने के लिए गहनता से जांच की जा रही है। हर पहलू का अध्ययन किया जा रहा है। जल्द ही वारदात का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। - **राकेश सैनी,** थाना प्रभारी, शिवाजी कॉलोनी

महिला ने पति पर लगाया पीछा करवाने का आरोप

- पीछा करने, वीडियो बनाने, फोटो खींचने की वीडियो सीसीटीवी में कैद, पीड़ित शिक्षिका की शिकायत पर मामला दर्ज

रोहतक। शहर में एक रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है। पति के साथ अपने वैवाहिक जीवन की कानूनी लड़ाई लड़ रही एक शिक्षिका का उसके पति द्वारा रोहतक के स्थानीय युवक के माध्यम से पीछा करवाने, उसकी फोटो व वीडियो बनवाने, अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने और डराने जैसी घटना सामने आई है। करीब एक माह पहले पति द्वारा बेटे की किडनैपिंग की घटना के बाद अब नई वारदात से पीड़ित शिक्षिका बुरी तरह से डर गई है। उसने सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित शिक्षिका के मजिस्ट्रेट के सामने पूरी घटना को लेकर बयान कलमबद्ध हुए हैं। पीड़ित शिक्षिका कविता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 19 नवंबर को घर से अपनी ड्यूटी जा रही थी तो रास्ते में एक युवक लगातार उसका पीछा कर रहा था। उसे कुछ दिन से शक था। जब वह संस्थान की पार्किंग में अपनी एक्टिवा पार्क करके अंदर गई तो उसने देखा कि उक्त युवक उसके संस्थान की और उसके व्हीकल की फोटो और वीडियो बना रहा था। उसने हेलमेट पहन रखा था और जैकेट पहनी हुई थी और पीछे एक बैग ले रखा था। अपनी पहचान छुपाने के लिए उसने हेलमेट का इस्तेमाल किया, लेकिन उसकी एक्टिवा के नंबर नोट हो गए। यह पूरी घटना आसपास के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसके पति के कहने पर ही स्थानीय युवक लगातार उसका पीछा कर रहा था। घटना सामने आने के बाद अब वह बुरी तरह डर गई है। उसने सिविल लाइन थाने में शिकायत देकर दोनों आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वही, एक्टिवा का नंबर सामने आने और तमाम सीसीटीवी फुटेज पुलिस को सौंपने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। 9 अक्टूबर को ओमेक्स सिटी में ट्यूशन पढ़ने गए बेटे की किडनैपिंग की घटना के बाद अब स्थानीय युवक द्वारा पत्नी का पीछा करने, उसकी वीडियो बनाने जैसी घटना को अंजाम देने के बाद शिक्षिका बुरी तरह घबरा गई है। वह दहशत में है।

समाधान शिविर में लोगों की शिकायतों को सुलझाया

रोहतक। वीरवार को समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतों की सुनवाई की गई तथा मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को इन शिकायतों के तुरंत निपटारे के निर्देश दिए गए। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के सचिव वीरेंद्र सिंह ढुल, नगराधीश अंकित कुमार एवं जिला राजस्व अधिकारी प्रमोद चहल ने लघु सचिवालय स्थित सभागार में समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतों की सुनवाई की। उन्होंने शिकायतों की सुनवाई के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि समाधान शिविर की हर शिकायत का तुरंत निपटारा किया जाये। उन्होंने समाधान शिविरों की लंबित एवं रि-ओपन हुई शिकायतों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे इन शिकायतों का तुरंत निपटारा सुनिश्चित करवाये।

जिला राजस्व अधिकारी चहल ने कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार हर सप्ताह के सोमवार व वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक जिला मुख्यालय एवं उपमंडल मुख्यालयों पर समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविरों का मुख्य उद्देश्य एक छत के नीचे सभी विभागों से संबंधित शिकायतों का तुरंत निदान करना है। सरकार द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान शिविरों में शिकायतों के निपटारे की निरंतर निगरानी की जा रही है।

खबर संक्षेप

पठानिया पब्लिक स्कूल में क्विज का आयोजन

रोहतक। पठानिया पब्लिक स्कूल में साइंस और मैथ विभाग की ओर से इंटर क्लास क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षकों आरती यादव, गौरव, विकास, भूपेंद्र और सोनिका-के दिशा-निर्देशन में किया गया। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को सात टीमों-ब्रेन ब्लास्ट, कोस्मोस, केलकुलस, स्मार्ट न्यूरांस, नोबेल सीकर्स, क्वांटम चैंपियन और इक्वेशन इंजीनियर-में विभाजित किया गया। प्रतियोगिता पांच चरणों में आयोजित की गई, जिसमें प्रत्येक टीम से चार विद्यार्थियों सहित कुल 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया। शानदार प्रतिस्पर्धा के बाद टीम ब्रेन ब्लास्ट ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसमें समर हुड्डा, दक्ष, सिद्धार्थ और तनुज शामिल थे। द्वितीय स्थान नोबेल सीकर्स टीम को मिला, जिसके प्रतिभागी सान्निध्य, आयुष, प्रियंका और रितेश रहे। तीसरा स्थान टीम स्मार्ट न्यूरांस ने हासिल किया, जिसके सदस्य चेष्ठा, भव्य, दिया और सृष्टि रहे। स्कूल निदेशक अंशुल पठानिया ने विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन के लिए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, टीम वर्क और विषय ज्ञान को बढ़ावा देती हैं। इस अवसर पर स्कूल को-फाउंडर वर्षा पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उप-प्रधानाचार्या प्रीति ढांडा, कोऑर्डिनेटर कनिका मग्गू एवं आलोक हुड्डा सहित स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

बीएमयू में रैगिंग के खिलाफ किया जागरूक

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय में रैगिंग की रोकथाम में जागरुकता और परामर्श की भूमिका विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को रैगिंग से जुड़े कानूनी, नैतिक और भावनात्मक पहलुओं के प्रति संवेदनशील बनाना और परिसर में सुरक्षित तथा सहयोगी वातावरण को बढ़ावा देना था। वक्ताओं के अनुसार काउंसलिंग से भावनात्मक तनाव कम होता है, व्यवहार में सुधार आता है और रैगिंग की पुनरावृत्ति पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। व्याख्यान विज्ञान संकाय की सदस्य डॉ. सुनीता दहिया, डॉ. विकास भारद्वाज और डॉ. मनोज वर्मा (डीन, विज्ञान संकाय) द्वारा प्रस्तुत किया गया। सभी वक्ताओं ने आपसी सम्मान, सहयोग और स्वस्थ शिक्षण माहौल को बनाए रखने की आवश्यकता पर छात्रों को प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ. सुनीता दहिया, सह–संयोजक डॉ. मीनाक्षी और आयोजन सचिव डॉ. परवीन कुमार यादव (जीव विज्ञान विभाग) के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर डॉ. रवि राणा, डॉ. पल्लवी भारद्वाज, डॉ. संगीता मलिक, डॉ. पूजा, डॉ. विनोद भाटिया, डॉ. बृजेश, डॉ. पारुल, डॉ. हिना और डॉ. नीतिका सहित संकाय सदस्य भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में शोधार्थियों तथा स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्ण भागीदारी की।

शिक्षा मंत्री आज करेंगे कई कार्यक्रमों में शिरकत

रोहतक। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा 28 नवंबर को महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी में विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भाग लेंगे। कुलसचिव डॉ. कृष्ण कांत ने बताया कि शिक्षा मंत्री सबसे पहले आईएचटीएम कांफ्रेंस हॉल में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद फैकल्टी हाउस भवन के विस्तार और इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम भवन की आधारशिला रखेंगे। तदुपरांत शिक्षा मंत्री टैगोर सभागार में आयोजित एमडीयू के वार्षिक खेल पुरस्कार वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेंगे।

राजीव गांधी खेल परिसर भी कर रहा मरम्मत का इंतजार

- खिलाड़ियों की मौत के बाद उठे सवाल, ये मौत नहीं सिस्टम द्वारा की गई हत्या : नवीन जयहिंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। जर्जर बॉस्केटबॉल ग्राउंड की हालत दिखाते नवीन जयहिंद।

झज्जर व रोहतक में बास्केटबॉल खिलाड़ियों की दर्दनाक मौत के बाद गांवों और शहरों में खेल की सुविधाओं को लेकर सरकार और प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीण और शहरी इलाकों में अभ्यास करने वाले खिलाड़ी किस तरह अपनी जान जोखिम में डालकर जर्जर खेल स्टेडियमों में अभ्यास करते हैं, इसका सच एक बार फिर सामने आ गया है।

इसी मुद्दे को उठाते हुए सामाजिक कार्यकर्ता नवीन जयहिंद रोहतक के राजीव गांधी स्टेडियम पहुंचे और स्टेडियम की वास्तविक हालत का निरीक्षण किया। उन्होंने सरकार और प्रशासन पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि खिलाड़ियों की मौत किसी हादसे का परिणाम नहीं, बल्कि सिस्टम की लापरवाही से हुई सिस्टम द्वारा की गई हत्या है।

जयहिंद ने कहा कि इन मौतों के लिए सरकार, सांसद, विधायक, पूर्व विधायक और खेल विभाग का पूरा प्रशासनिक तंत्र जिम्मेदार है। जयहिंद ने बताया कि दो युवा बास्केटबॉल खिलाड़ियों की मौत हुई, लेकिन किसी पर कार्रवाई होगी या नहीं इसका कोई जवाब नहीं देगा। तीन महीने पहले भी उन्होंने खेल स्टेडियमों की खराब हालत को लेकर आवाज उठाई थी, लेकिन किसी ने सुनवाई नहीं की। उन्होंने सवाल उठाया कि स्टेडियम किसने बनाया, किसने घटिया सामग्री लगाई, किसने कमीशन खाया और किसने मेंटेनेंस की जिम्मेदारी निभाई इन सभी सवालों के जवाब सरकार और खेल विभाग देने से बचता है।

खराब स्टेडियमों के वीडियो बना शेयर करें

जयहिंद ने आरोप लगाया कि अगर मरने वाले खिलाड़ी किसी बड़े नेता या अधिकारी के बेटे होते तो कार्रवाई तुरंत होती, लेकिन आम घरों के बच्चों के लिए कोई जिम्मेदारी तय नहीं की जाती। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की मौत पर केवल बयानबाजी और राजनीति होती है, लेकिन असली सुधार के लिए कोई आगे नहीं आता। इसी के साथ जयहिंद ने जनता से अपील की कि वे अपने गांव और शहरों में बने खराब खेल स्टेडियमों की वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर करें।

गीता जयंती महोत्सव कल से, तैयारियां तेज

रोहतक। प्रशासन ने जिला स्तरीय गीता महोत्सव की तैयारियां शुरू कर दी गई है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 29 नवंबर से एक दिसंबर तक पंडित श्रीराम रंगशाला में तीन दिवसीय गीता महोत्सव का भव्य आयोजन किया जायेगा। इसमें श्रीमद्भगवद् गीता तथा महाभारत पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने तीन दिवसीय जिला स्तरीय गीता महोत्सव के लिए विभिन्न विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी हैं। अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार को गीता महोत्सव के लिए ओवरऑल इंचार्ज नियुक्त किया गया है। नगराधीश अंकित कुमार को महोत्सव के लिए नोडल अधिकारी बनाया है। नगर निगम के संयुक्त आयुक्त मनजीत सिंह को जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल के साथ भव्य नगरशोभा यात्रा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। श्रीमद्भगवत गीता पर आधारित तीन दिवसीय प्रदर्शनी की देखरेख का जिम्मा मंडल आयुक्त के ओएसडी शुभम को सौंपा गया है। स्कूली विद्यार्थियों एवं विभिन्न सांस्कृतिक मंडलियों द्वारा श्रीमद्भगवत गीता व महाभारत पर आधारित भव्य प्रस्तुतियां दी जाएंगी। राधा-कृष्ण की रासलीला भी तीन दिवसीय गीता महोत्सव का मुख्य आकर्षण रहेगी।

हरनूर ने दिव्यांगता को दी मात, नृत्य में कमाया नाम

- सुपवा में हुए डांस ऑडिशन में किया क्वालीफाई, कल ग्रैंड फिनाले में दिखाएंगी दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नृत्य की दुनिया में कुछ कहानियां पूर्णता से नहीं, बल्कि साहस से दमकती हैं और रोहतक की 8 वर्षीय हरनूर ने उसी साहस को मंच पर साकार कर दिखाया। 60 प्रतिशत दिव्यांगता के बावजूद, हरनूर ने हरियाणा बेस्ट नृत्य कलाकार के ऑडिशन में ऐसा शानदार प्रदर्शन किया कि पूरा सभागार मंत्रमुग्ध रह गया। यह आयोजन कोहिनूर क्रिएटिव वर्ल्ड और डीएलसी सुपवा के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है।

कोहिनूर क्रिएटिव वर्ल्ड ने उसे 29 नवंबर को डीएलसी सुपवा में होने वाले ग्रैंड फिनाले के लिए चयनित किया है। कक्षा पहली में पढ़ने वाली हरनूर अपने ननिहाल में नाना किरपाल सिंह और नानी सतेंद्र कौर के साथ रहती है, जो पीजीआई रोहतक में कार्यरत हैं। उन्हीं ने हरनूर को बचपन से स्नेह और संबल देकर बड़ा किया है। डीएलसी सुपवा में दो दिनों के ऑडिशंस के बाद फाइनल के 16 प्रतिभागियों का चयन किया गया है। विजेताओं का चयन एकल, युगल और समूह—इन तीनों श्रेणियों में किया जाएगा।

एमडीयू ने लीव मैनेजमेंट सिस्टम एप किया लॉन्च

- एप से अवकाश प्रक्रिया होगी सरल, एक क्लिक पर मिलेगा रिकॉर्ड : वीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय ने ई-गवर्नेंस को नई गति देते हुए लीव मैनेजमेंट सिस्टम एप की शुरुआत की। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने ऐप को लांच करते हुए इसे विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था में तकनीक आधारित सुधार का महत्वपूर्ण कदम करार दिया। इस अवसर पर डीन, एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एस.सी. मलिक, कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत सहित विभिन्न संकायों के डीन और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने इस अवसर पर कहा कि विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सेंटर द्वारा तैयार यह एप शिक्षक और गैर-शिक्षक कर्मचारियों को अवकाश आवेदन और लीव रिकॉर्ड तक पहुंच की प्रक्रिया को बेहद आसान बना देगा। इसके माध्यम से कर्मचारी किसी भी समय, कहीं से भी ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे और पूरा रिकॉर्ड एक क्लिक में प्राप्त कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल पारदर्शिता बढ़ाएगी, बल्कि प्रशासनिक कार्यप्रवाह को भी अधिक व्यवस्थित और परिणामकारी बनाएगी। उन्होंने एप विकसित करने के लिए यूसीसी निदेशक डॉ. जी.पी. सरोहा, टेक्निकल असिस्टेंट विकास नागिल और उनकी टीम को बधाई दी और सराहना की। एप को प्रथम चरण में 1 दिसंबर से 31 दिसंबर तक ट्रायल बेसिस पर लागू किया जाएगा।

कला | तीन दिवसीय मंडल स्तरीय बाल दिवस प्रतियोगिता शुरू

समूह नृत्य में दिखाया गजब का तालमेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। बाल भवन में समूह नृत्य प्रतियोगिता में प्रस्तुति देते बाल कलाकार।

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद के तत्वाधान में रोहतक मंडल की मंडल स्तरीय तीन दिवसीय बाल दिवस प्रतियोगिता-2025 का शुभारंभ वीरवार को बाल भवन परिसर में हुआ। जिला बाल कल्याण अधिकारी सोमदत्त खुंडिया, कार्यक्रम नोडल अधिकारी अशोक कुमार शर्मा, संदीप फौगाट तथा विकास वशिष्ठ ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम नोडल अधिकारी अशोक कुमार शर्मा ने कहा कि बाल प्रतिभाएं हमेशा से राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करती रही हैं। यह कार्यक्रम बच्चों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ाने के साथ-साथ उनमें अनुशासन, टीम वर्क और नेतृत्व गुणों को भी विकसित करता है। प्रतियोगिताएं 29 नवंबर तक आयोजित होंगी। प्रथम दिवस पर समूह नृत्य एवं एकल नृत्य की प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं, जिनमें प्रतिभागियों ने रंगारंग और प्रभावशाली प्रस्तुतियों से दर्शकों तथा निर्णायकों को प्रभावित किया। निर्णायक मंडल में जसवंती रानी, योगेश भारद्वाज, डॉ. सौरभ वर्मा, नितिन, नीरू शर्मा, मनीषा, संदीप, पूनम, अजय मलिक और जोगेंद्र ढुल ने निष्पक्षता और पूर्ण पारदर्शिता के साथ भूमिका निभाई।